पत्र लेखन

1. पढ़ाई हेतु छात्रावास में रह रहे अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव हेतु विभिन्न उपायों की जानकारी दीजिए।

उत्तर

जोधपुर

दिनांक : 25 नवम्बर, 20XX

प्रिय सौरभ,

सस्नेह शुभाशीर्वाद!

यहाँ सब कुशलपूर्वक है और सदैव तुम्हारी कुशलता की कामना ईश्वर से करते हैं। तुम्हारा कल पत्र मिला, पढ़कर तुम्हारी पढ़ाई और छात्रावास के सभी समाचार प्राप्त हुए।

तुम्हे तो पता ही होगा कि कोरोना का कहर पूरे संसार में फैला हुआ था। कोरोना से बचाव सावधानी से किया जा सकता है। हाथ साफ करना है, मास्क लगाना है तथा अन्य व्यक्ति से सदैव दो गज की दूरी बना कर रखनी है। अपने चारों तरफ साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना है। सर्दी-जुकाम से बचने का सदैव ध्यान रखना है। ठंडी चीजों व बाहर की बनी हुई चीजों का पूर्णतः परहेज ही रखना। भीडभाड वाली जगह पर जाने से बचना। कक्षा में दूरी बनाकर रखना। टीका भी लगवाना है। ये सारी सावधानियाँ तुम्हें और तुम्हारे सभी मित्रों को रखनी हैं। तुम समझदारीपूर्वक अपना ध्यान रखना।

शेष कशल है. माता-पिताजी की ओर से तम्हें आशीर्वाद तथा अनिता का प्रणाम।

तुम्हारा शुभचिन्तक भाई

रमेश

2. स्वयं को भरतपुर निवासी अविनाश मानते हुए भरतपुर के नगर निगम के कार्यकारी अधिकारी को सड़क पर बढ़ रहे अतिक्रमण को नियन्त्रित करने हेतु पत्र लिखिए। (उत्तर-सीमा लगभग 300 शब्द) 4

उत्तर–

सेवा में,

श्रीमान् कार्यकारी अधिकारी महोदय,

नगर निगम, भरतपुर।

विषय-सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कुछ दिनों से नगर की सड़कों पर अतिक्रमण बढ़ रहा है। दुकानदार अपना सामान फुटपाथ तक फैला देते हैं, कुछ लोगों ने तो पक्के चबूतरे भी बना दिये हैं। कुछ ठेली वाले, खोमचे वाले बीच सड़क में खड़े हो जाते हैं। इस तरह सड़कों पर अतिक्रमण बढ़ रहा है, जिससे पैदल राहगीरों तथा वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है और प्रायः जाम लग जाता है।

अतः निवेदन है कि शहर की सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को तुरन्त हटाया और रोका जावे। इसके लिए सख्ती से नियमों के अनुसार अभियान चलाया जावे। आशा ही नहीं, पूरा विश्वास है कि नगर निगम इस दिशा में अविलम्ब उचित . कार्यवाही कर जनता की सुविधा का ध्यान रखेगा।

भवदीय/निवेदक

दिनांक 27 अक्टूबर, 20xx

अविनाश

लक्ष्मण मन्दिर गली, भरतपुर

3. स्वयं को शास्त्रीनगर का सुधांशु मानकर अपने छोटे भाई को धूम्रपान एवं नशे की लत से दूर रहने की समझाइश देते हुए पत्र लिखिए। (उत्तर-सीमा लगभग 300 शब्द) 4

उत्तर-

गुलाब निकुंज,

शास्त्री नगर।

दिनांक 10 अगस्त, 20xx

प्रिय अनुज जितेन्द्र,

सस्नेह शुभाशीष ।

कल ही तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ तथा समाचार पढ़कर अतीव प्रसन्नता हुई। तुम अपनी पढ़ाई पर परिश्रम करते रहो, सफलता परिश्रम करने से ही मिलती है।

मैं तुम्हें एक खास बात से सचेत करना चाहता हूँ। कुछ बिगडैल लड़के धूम्रपान का शौक रखते हैं अथवा नशे की लत से ग्रस्त रहते हैं। धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए अतीव हानिकारक होता है। इससे गले एवं फेफड़ों में कैंसर हो जाता है, तपेदिक का रोग फैलता है। इसी प्रकार शराब-गाँजा आदि का नशा करना भी अनेक असाध्य रोगों का मूल माना जाता है। नशे की लत से धन का अपव्यय होता है, दुर्व्यसन बढ़ने से समाज में तिरस्कार मिलता है और स्वास्थ्य की हानि होती है। अतएव तुम ऐसे लोगों से सदा दूर रहने का प्रयास करना, इसी में भलाई है।

पत्रोत्तर एवं कुशलता का सारा वृत्तान्त भेजते रहना । यहाँ से भी परिजन तुम्हें शुभाशीष कह रहे हैं।

तुम्हारा शुभेच्छु

सुधांशु

4. आप आगरा निवासी मनोहर हैं। अजमेर में अध्ययन कर रहे अपने छोटे भाई प्रभाकर को पत्र लिखिए, जिसमें अध्ययन के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेने की सलाह दीजिए।

उत्तर---

आगरा

दिनांक : 12 अगस्त, 20xx

प्रिय अनुज प्रभाकर,

सस्नेह शुभाशीष !

अभी कुछ दिन पूर्व तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ। जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि . तुम्हारी पढ़ाई अच्छी चल रही है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, व्यायाम व मनोरंजन भी शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक हैं। यह अच्छी बात है कि तुम्हारे विद्यालय में खेलकूद अनिवार्य कर रखे हैं। तुम्हें भी अध्ययन के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेना चाहिए। इससे हमारा सर्वांगीण विकास होता है।

अन्त में मेरा यही कहना है कि कक्षा में ध्यान लगाकर सुनना तथा पढ़ाये हुए पाठ को अच्छी तरह से पढ़कर याद करना। साथ ही खेलों में भी अवश्य भाग लेना।

पत्रोत्तर अवश्य देना।

तुम्हारा शुभेच्छु

मनोहर

5. स्वयं को जयपुर निवासी मानवेन्द्र मानकर अहमदाबाद निवासी अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए. जिसमें अपनी परीक्षा की तैयारी एवं अध्ययन आदि का उल्लेख कीजिए। (उत्तर-सीमा लगभग 300 शब्द) 4

उत्तर-

जयपुर

दिनांक : 15 फरवरी, 20xx

पूजनीय पिताजी,

सादर चरण-स्पर्श !

मैं यहाँ पर सकुशल हूँ और आपकी सपरिवार कुशलता के लिए ईश्वर से सदैव प्रार्थना करता हूँ।

मेरा अध्ययन अच्छी तरह से चल रहा है। अब बोर्ड की परीक्षा के लिए लगभग एक माह रह गया है। मैं सभी विषयों का नियमित अध्ययन कर रहा हूँ। अंग्रेजी और हिन्दी की तीन बार आवृत्ति कर चुका हूँ। भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान का कोर्स भी दो बार पूरा कर लिया है। अब गणित की विशेष तैयारी में लगा हुआ हूँ। रात में साढ़े दस बजे तक और प्रातः काल पाँच बजे उठकर अध्ययन करने लग जाता हूँ। इस तरह मेरा अध्ययन-क्रम नियमित चल रहा है और आपके आशीर्वाद से मुझे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने की पूर्ण आशा है।

माताजी को चरण-स्पर्श तथा सुनीता व सुनील को प्यार।

कुशल पत्र की प्रतीक्षा में,

आपका आज्ञाकारी पुत्र

मानवेन्द्र

6. आप आगरा निवासी मनोहर हैं। अजमेर में अध्ययन कर रहे अपने छोटे भाई प्रभाकर को पत्र लिखिए, जिसमें अध्ययन के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेने की सलाह दीजिए। (उत्तर-सीमा लगभग 300 शब्द) 4

उत्तर-

आगरा

दिनांक : 12 अगस्त, 20xx

प्रिय अनुज प्रभाकर,

सस्नेह शुभाशीष ।

अभी कुछ दिन पूर्व तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ। जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि तुम्हारी पढ़ाई अच्छी चल रही है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, व्यायाम व मनोरंजन भी शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक हैं। यह अच्छी बात है कि तुम्हारे विद्यालय में खेलकूद अनिवार्य कर रखे हैं। तुम्हें भी अध्ययन के साथ-साथ खेलो में भी भाग लेना चाहिए। इससे हमारा सर्वांगीण विकास होता है।

अन्त में मेरा यही कहना है कि कक्षा में ध्यान लगाकर सुनना तथा पढ़ाये हुए पाठ को अच्छी तरह से पढ़कर याद करना। साथ ही खेलों में भी अवश्य भाग लेना। पत्रोत्तर अवश्य देना।

तुम्हारा शुभेच्छु

मनोहर

7. स्वयं को उदयपुर निवासी अर्पिता मानते हुए अपने जिला पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा सम्बन्धी पत्र लिखीय, जिसमें आपके मोहल्ले में बाहरी लोगों द्वारा की जा रही संदेहास्पद गतिविधियों का उल्लेख हो।

उत्तर-

सेवा में,

श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय,

जिला पुलिस विभाग, उदयपुर।

विषय-मोहल्ले में बाहरी लोगों की गतिविधियों के सम्बन्ध में।

महोदय,

निवेदन है कि पिछले कुछ दिनों से हमारे मोहल्ले में कुछ बाहरी लोगों का आवागमन बढ़ गया है। इन लोगों की गतिविधियाँ कुछ संदेहजनक लग रही हैं, क्योंकि रात में ये लोग तीन-चार के समूह में एकत्र होकर कुछ कानाफूसी करते रहते हैं. और गलियों के नोकों पर खड़े होकर आने-जाने वालों को घूरते रहते हैं । इनके पास थैलों में कुछ भारी समान भी दिखाई देता है। ऐसा प्रतीत होता है कि ये लोग अपराधी प्रवृत्ति के हैं और मोहल्ले में कुछ अनर्थ करने की योजनाएँ गुपचुप बना रहे हैं।

अतः निवेदन है कि इन लोगों की सन्दिग्ध गतिविधियों को नियन्त्रित करने के लिए उचित कार्यवाही की जावे।

निवेदिका,

दिनांक 25 अक्टूबर, 20xx

अर्पिता

नया मोहल्ला, उदयपुर

8. स्वयं को जूनागढ़ का निवासी जितेन्द्र मानते हुए अहमदाबाद में रह रहे अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए जिसमें हाथ-धुलाई कार्यक्रम एवं पेट में कीड़ों की बीमारियों से बचने हेतु गोली खिलाने के कार्यक्रम द्वारा बालकों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के प्रयासों का उल्लेख हो। (उत्तर-सीमा लगभग 300 शब्द) 4

उत्तर-

अशोक भवन,

जूनागढ़।

दिनांक 28 अप्रैल, 20xx

पूजनीय पिताजी,

सादर चरण-स्पर्श!

मैं यहाँ सकुशल हूँ और आपकी सपरिवार कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।

`आपका भेजा हुआ पत्र मिला। पढ़कर प्रसन्नता हुई। आगे समाचार यह है कि हमारे विद्यालय में बालकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए 'स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वच्छता और सुस्वास्थ्य की दृष्टि से खाने से पूर्व और शौच जाने के पश्चात् साबुन से नित्य हाथ धोने की सलाह दी गई है। हमें बताया गया कि गन्दे हाथों से खाना खाने से अनेक प्रकार की पेट की बीमारियाँ हो जाती हैं, जैसे उल्टी, दस्त, पेट में कीड़े आदि।

हमें पेट में कीड़ों की बीमारियों से बचे रहने के लिए गोलियाँ खिलाने का कार्य दिया गया है। हम इस कार्य के माध्यम से विद्यार्थियों और आस-पास के क्षेत्र के बालक-बालिकाओं में पेट में कीड़ों की बीमारियों से बचने हेतु गोलियों का वितरण कर, उन्हें साबुन से नित्य हाथ धोने की आदत डालने का सन्देश देकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। आपके आशीर्वाद से इस कार्य में हमें आशातीत सफलता मिल रही है।

माताजी को प्रणाम व कृतिका को ढेर सा प्यार।

आपका प्रिय पुत्र

जितेन्द्र ।

9. आपका नाम ईशान्त है। आप लक्ष्मीनगर, जयपुर के हैं। आपके क्षेत्र में अक्सर अनियमित बिजली कटौती की समस्या रहती है। नियमित विद्युत सप्लाई हेतु मुख्य अभियन्ता विद्युत विभाग, जयपुर को एक शिकायती-पत्र लिखिए। (उत्तर-सीमा लगभग 300 शब्द) 4

उत्तर-

सेवा में,

श्रीमान् मुख्य अभियन्ता महोदय,

विद्युत विभाग, राजस्थान, जयपुर।

विषय-अनियमित विद्युत सप्लाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

निवेदन है कि पिछले सात-आठ महीनों से हमारे क्षेत्र लक्ष्मीनगर में विद्यत आपूर्ति में अनियमित कटौती हो रही है। इस समस्या से हम सभी नागरिक परेशान हैं। विशेषकर विद्यार्थियों को सुबह-शाम अध्ययन करने में बाधा आती है। अनियमित विद्युत सप्लाई से लोगों के काम-धन्धे पर बुरा असर पड़ रहा है और पेयजल की

आपूर्ति भी बाधित हो रही है।

अतएव प्रार्थना है कि हमारे क्षेत्र में विद्युत सप्लाई की व्यवस्था ठीक की जाये तथा नियमित सप्लाई करके इस समस्या का निवारण किया जाये। उसके लिए तुरन्त उचित व्यवस्था करवाने की कृपा करें।

निवेदक,

दिनांक 20 अक्टूबर, 20xx

ईशान्त

लक्ष्मीनगर, जयपुर